अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah

(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)

ISSN: 3108-1541

Vol.2, Issue 1, Year 2025

URL: https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah

(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)

December- 2025

Volume 2 Issue 1

Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay, Prayagraj,

(A Constituent College of University of Allahabad)

Accredited 'Grade A' by NAAC

179-D, Attarsuiya, Prayagraj, UP, 211003

E-Mail Id – onlinejournalsskgdc@gmail.com,

Website – https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

Phone: 0532-2659124, 2451682, 2451791

अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah

(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)

ISSN: 3108-1541

Vol.2, Issue 1, Year 2025

URL: https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

Chief Patron

Prof. Sangita Srivastava

Hon'ble Vice-Chancellor

University of Allahabad

Patron

Ms. Nirmala Tandon

Chairperson, Governing Body

Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay

Chief Editor-

Prof. Lalima Singh

Principal

Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay

Email Id. : lalima_drsociology@rediffmail.com

M.N.: 9415644674

Editorial Board:

- **Prof. Meenu Agrawal,** Professor, Department of Ancient History, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Prof. Manjari Shukla,** Professor, Department of Philosophy, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Prof. Rachana Anand Gaur,** Professor, Department of Hindi, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Dr. Aditya Kumar Tripathi,** Assistan Professor, Department of Hindi, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Dr. Nishi Seth,** Assistant Professor, Department of Ancient History, Culture and Archeology S.S. Khanna Girls' Degree College
- **Dr. Jyoti Baijal,** Assistant Professor, Department of Education, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Dr. Vaibhav Agrawal,** Assistant Professor, Department of Economics, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Dr. Sameer Kumar,** Assistant Professor, Department of Philosophy, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay
- **Dr. Ravi Kant Singh,** College Librarian, Sadanlal Sanwaldas Khanna Mahila Mahavidyalay

अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah
(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)
ISSN: 3108-1541
Vol.2, Issue 1, Year 2025
URL: https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

Message from the Principal

It gives me immense pleasure to present the first Issue with ISSN number of our College E-Journal, a platform that reflects the intellectual vibrancy, creativity, and academic commitment of our institution. The enthusiastic response received by the inaugural issue encouraged us to continue this scholarly initiative with renewed purpose and dedication.

An e-journal is a mirror of academic culture. The current issue showcases the research aptitude, innovative thinking, and literary expression of our students and faculty members across disciplines. It is heartening to see young minds engaging critically with contemporary issues while upholding academic rigor and ethical scholarship.

I commend the Editorial Board for their sincere efforts, meticulous planning, and teamwork in obtaining ISSN Number for the e-journal bringing out this issue successfully. My appreciation also goes to the contributors whose valuable work has enriched the quality and relevance of this publication.

In an era of digital learning and knowledge sharing, such initiatives play a vital role in nurturing research orientation, creativity, and lifelong learning. I am confident that this e-journal will inspire readers and motivate our academic community to pursue excellence in teaching, learning, and research.

I wish the editorial team continued success and hope that this e-journal will grow in scope, quality, and impact in the years to come.

Prof. Lalima Singh

अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah

(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)

ISSN: 3108-1541

Vol.2, Issue 1, Year 2025

URL: https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

INDEX

Sr. No.	Title	Author	Page No.
1.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सापेक्ष भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने में शिक्षकों की भूमिका	डॉ विभा यादव	1-11
2.	Emotional Well-being among Adolescents	Dr. Vidhu Shekhar Pandey	12-17
3.	Ethical Dimensions of Shankaracharya's Teachings: A Philosophical Exploration in Contemporary Perspective	Abhishek Sharma	18-22
4.	कुम्भ मेले का सर्वआयामी परिप्रेक्ष्यःपरम्परा,आधुनिकता एवं वैश्विक स्वरूप	शबनम बानो* डॉ. नीता साहू**	23-32
5.	Intersectionality in Education: How Caste, Class, and Gender Shape Educational Outcomes in India under the SDGs	Gurpinder Kumar* & Jogesh Kumar**	33-45
6.	Reimagining Academic Libraries: The Next Frontier in Digital Scholarship	Dr. Ajay Kumar Chaubey	46-57
7.	Empowering Through Connection: The Transformative Role of Peer Mentoring in Global Higher Education	Dr Rakhi Param Sawlani	58-70
8.	सिकुड़ता रेड कॉरीडोर : सरकार, संवाद एवं समाधान	डॉ. गौरव त्रिपाठी* आकाश पाण्डेय**	71-78

9.	पृथ्वीराज रासो में अभिव्यक्त स्त्री-जीवन	डॉ. सुमन मौर्या	79-89
10.	प्रयागराज की हस्तशिल्प परम्परा - मुंज घास से बने उत्पाद "तीर्थराज प्रयाग की अमूल्य विरासत- दशहरा, कुम्भ और मुंज शिल्प के सन्दर्भ में"	अर्जुन सिंह *, वंदना गुप्ता **, प्रोफसर मीनू अग्रवाल*** एवं डॉ रश्मि सिंह****	90-96
11.	पौराणिक वाड्.मय में वर्णित तीर्थराज प्रयाग: मत्स्य पुराण के विशेष सन्दर्भ में	संतोष कुमार पाण्डेय* डॉ0 सिद्धार्थ सिंह**	97-107
12.	कला और साहित्य में विष्णु के दशावतार में बुद्ध का समावेश	आशुतोष द्विवेदी* प्रोफेसर मीनू अग्रवाल**	108-117
13.	भारतीय चिंतन परंपरा और जयशंकर प्रसाद	डॉ० विन्ध्याचल यादव	118-127
14.	श्रीप्रकाश शुक्ल का बनारस: निरंतरता और परिवर्तन के बीच का काव्य-संसार	शिवम यादव	128-140
15.	विवेकी राय के उपन्यासों में नारी चित्रण	पूनम मौर्या* डॉ०आदित्य कुमार त्रिपाठी**	141-152
16.	सिंगरौली जिले के औद्योगीकरण का आर्थिक विकास पर प्रभाव: विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण	महेंद्र प्रताप सिंह बैस	153-165
17.	किन्नर : साहित्यिक अभिव्यक्ति	रंजू मौर्या* प्रो0 रचना आनन्द गौड़**	166-171
18.	आयुर्वेद के 'अग्र्य' सिद्धांतों एवं 'अष्ट-आहारविधि' का जीवनशैली प्रबंधन में वैश्विक महत्व	**श्वेता**	172-178
19.	वेदोदित स्त्र्योचित नैतिक मूल्यों की वर्तमान में उपादेयता	डॉ. नन्दिनी रघुवंशी* डॉ. मुदित पाण्डेय**	179-185

Disclaimer: *The author(s) shall bear full responsibility for the content, views, and opinions expressed in their manuscripts. The Editorial Board and the publishing institution disclaim any responsibility for the content, its accuracy, or its potential consequences.*

अनुसन्धान प्रवाह Anusandhan Pravah

(An Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary, Bilingual, E-Journal)

ISSN: 3108-1541

Vol.2, Issue 1, Year 2025

URL: https://journal.sskhannagirlsdc.ac.in/

सम्पादक की कलम से.....

'अनुसंधान'

किसी विषय का अच्छी तरह अनुशीलन करके उसके संबंध में नई बातों या तथ्यों का पता लगाने की क्रिया *'अनुसंधान'* कहलाती है। इस बार हमने भी गूगल से अनुसन्धान की परिभाषा पूछी तो उसके द्वारा दिखाई गई परिभाषाओं में हमें जिन तीन अर्थों ने प्रभावित किया। उनमें पहली परिभाषा अल्बर्ट सजेंट-ग्योर्गी (Albert Szent-Györgyi) द्वारा दी गई थीI वे हंगरी-अमेरिकी जैव रसायनज्ञ थे I उन्हें 1937 में विटामिन C (एस्कॉर्बिक एसिड) की खोज और कोशिका श्वसन(cellular respiration) के अध्ययन के लिए चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला। उनके अनुसार ***'अनुसंधान का अर्थ है वह देखना जो बाकी सबने देखा है, और वह सोचना जो किसी और ने नहीं सोचा है।"***

दूसरी परिभाषा नील एल्डन आर्मस्ट्रांग की थी। आर्मस्ट्रांग (5 अगस्त 1930 - 25 अगस्त 2012) एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और वैमानिकी इंजीनियर थे, जिन्होंने 1969 के अपोलो 11 मिशन के कमांडर के रूप में चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति बनने का गौरव प्राप्त किया। वे नौसेना के विमान चालक, परीक्षण पायलट और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी थे। उनके अनुसार ***"अनुसंधान से नए ज्ञान का सृजन होता है।"***

तीसरी परिभाषा जेरोम इसाक फ्रीडमैन (जन्म 28 मार्च, 1930) एक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी की थी जिन्हें प्रोटॉन और न्यूट्रॉन की आंतरिक संरचना में क्वार्क नामक कणों की उपस्थिति की पुष्टि करने वाले प्रयोगात्मक कार्य के लिए 1990 में हेनरी केंडल और रिचर्ड टेलर के साथ भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था उनके अनुसार ***"नवाचार भविष्य की कुंजी है, लेकिन मौलिक अनुसंधान भविष्य के नवाचार की कुंजी है।"***

लक्ष्य के प्रति सतर्क दृष्टि और सतत प्रयास -ये दो सोपान मंजिल प्राप्ति में सहायक कहे जा सकतें हैं। ठहरा हुआ पानी और पुस्तकों में बन्द ज्ञान निरूपयोगी हो जाता है। मेधा जब कुंठित हो जाए, अध्ययन की राहें बन्द होने लगे, ज्ञान केवल कठोर सत्य की भूमि पर खडा हो जाए तब भी विकास की सम्भावनाओं की गति धूमिल पड जाती है। शोध-नवाचार-अध्ययन-अध्यवसाय-चिन्तन-लेखन से गुजरता, निरन्तर प्रवाहमान ज्ञान समष्टि को विकास की ओर

ले जाने वाला होता है। कटपेस्ट की नीति, साहित्यिक चोरी, प्रमाणपत्र प्राप्त करने की अनिवार्यता, उच्च एकेडमिक परफारमेंस प्राप्त कर लेने की होड ने उच्च स्तरीय शोधपरक लेखन को प्रभावित किया है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में अनेक वर्णन संचित है जो वैज्ञानिक चिन्तन को समाहित किए हैं। अनुसंधान प्रवाह की नीति भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित ज्ञान विज्ञान के शोध को प्रोत्साहित करती है। अनुसंधान प्रवाह की नीति शोध की दिशा में अग्रसर अध्येताओं को प्रकाशन मंच देने की है, ताकि उनकी चिन्तना को आकार मिल सके। अनुसन्धान का प्रवाह सतत गतिमान रहे, शोध की दिशाएं पल्लवित और पोषित होती रहें, इन सदिच्छाओं के बीच अनुसन्धान प्रवाह जर्नल का दूसरा अंक ISSN नम्बर के साथ प्रस्तुत है।

वागर्थाविव संपृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

इस अंक के लिए प्रेरणीय:

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतम्
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्याविहीनः पशुः॥

विद्या मनुष्य का गुप्त धन है। विद्या भोगकरी, यशदात्री और सुखदात्री है। विद्या गुरुओं का गुरु है, विदेशगमन में वह बंधुसमान है। विद्या परम् देवता है। राजाओं में विद्या ही पूजित है, धन नहीं। इसलिए विद्या विहीन पशु के समान है।

Education is the special form of man, it is his hidden wealth. It gives enjoyment, fame, and happiness. Education is the teacher of teachers, it is man's friend abroad. Education is a great deity; kings worship education, not wealth. Therefore, a person without education is an animal.

प्रोफेसर मीनू अग्रवाल,
प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,
सदनलाल सांवलदास खन्ना महिला महाविद्यालय,
संघटक महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज